DAC की AoN: ₹52,000 करोड़ का मतलब क्या, क्या नहीं

रक्षा मंत्रालय/Defence Acquisition Council | AoN, 3 जुलाई 2026 | UPSC / PCS मुख्य परीक्षा: GS-3 (रक्षा, सुरक्षा) | प्रारंभिक: DAC, Acceptance of Necessity, AKASH TARANG, MPATGM, MRSAM, V-SHORADS, FW-HAPS

पृष्ठभूमि और संदर्भ

“₹52,000 करोड़ की मंज़ूरी” सुनकर लगता है कि इतना पैसा खर्च हो गया या इतने हथियार आ गए। विज्ञप्ति कुछ और कहती है: यह Acceptance of Necessity है, यानी किसी ज़रूरत को आगे बढ़ाने की सैद्धांतिक प्रशासनिक मंज़ूरी, और राशि अनुमानित है। यह लेख उसी पृष्ठ को पढ़ता है कि क्या छपा है, क्या नहीं छपा, और दोनों के बीच की रेखा कहाँ है।

खबर क्या?

PIB के अनुसार रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 3 जुलाई 2026 को सेना, नौसेना और वायुसेना के अधिग्रहण-प्रस्तावों को AoN दी, जिनकी अनुमानित लागत लगभग ₹52,000 करोड़ बताई गई है।

इस विषय को पढ़ने की पाँच सावधानियाँ

(1) AoN सैद्धांतिक प्रशासनिक मंज़ूरी है; विज्ञप्ति में अनुबंध, आदेश, आपूर्ति या induction का कथन नहीं है। (2) ₹52,000 करोड़ “estimated” और “about” है; प्रणाली-वार विभाजन नहीं छपा। (3) नामित मदों की गिनती (हमारी गणना: 10) पूरी स्वीकृति की गिनती नहीं है, क्योंकि वायुसेना के “other proposals” अनाम हैं। (4) क्षमता के वाक्य मंत्रालय की अपेक्षाएँ हैं, परीक्षित परिणाम नहीं। (5) आपूर्तिकर्ता, स्वदेशीकरण और समय-सारणी इस पृष्ठ में नहीं हैं, इसलिए उन पर कोई निष्कर्ष नहीं।

मुख्य तथ्य और आँकड़े

संदर्भ और स्थिति	**PIB, रक्षा मंत्रालय: “DAC approves capital acquisition proposals worth Rs 52,000 crore to enhance combat readiness of Defence Forces”, “Posted On: 03 JUL 2026 4:02PM by PIB Delhi”। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 3 जुलाई 2026 को Defence Acquisition Council (DAC) ने “Acceptance of Necessity (AoN) i.e., in-principle administrative approval” दी।**

राशि (छपी)	**“at an estimated cost of about Rs 52,000 crore”। यह एक अनुमानित, लगभग राशि है, जो सेनाओं के “various acquisition proposals” के लिए एक साथ छपी है। पृष्ठ में प्रणाली-वार या सेना-वार राशि नहीं मिली।**

क्या स्वीकृत हुआ	**सेना के लिए छह नामित मद, नौसेना के लिए तीन नामित मद, और वायुसेना के लिए एक नामित प्रणाली (FW-HAPS) “and other proposals”। हमारी गणना: नामित मद 6 + 3 + 1 = 10। वायुसेना के “other proposals” की संख्या या नाम नहीं छपे, इसलिए 10 पूरी स्वीकृति की गिनती नहीं है।**

स्वीकृति का स्तर	**विज्ञप्ति AoN को “in-principle administrative approval” कहती है। पृष्ठ में अनुबंध, आदेश, आपूर्तिकर्ता, समय-सीमा या सेना में शामिल किए जाने (induction) का कोई कथन नहीं मिला।**

क्षमता के कथन	**“will provide”, “will enhance”, “will deny”, “will carry out” जैसे वाक्य मंत्रालय की अपेक्षाएँ हैं, जो विज्ञप्ति में छपी हैं। पृष्ठ में इनकी कोई परीक्षा या प्रमाण नहीं है; हमने इन्हें मंत्रालय के कथन के रूप में ही रखा है।**

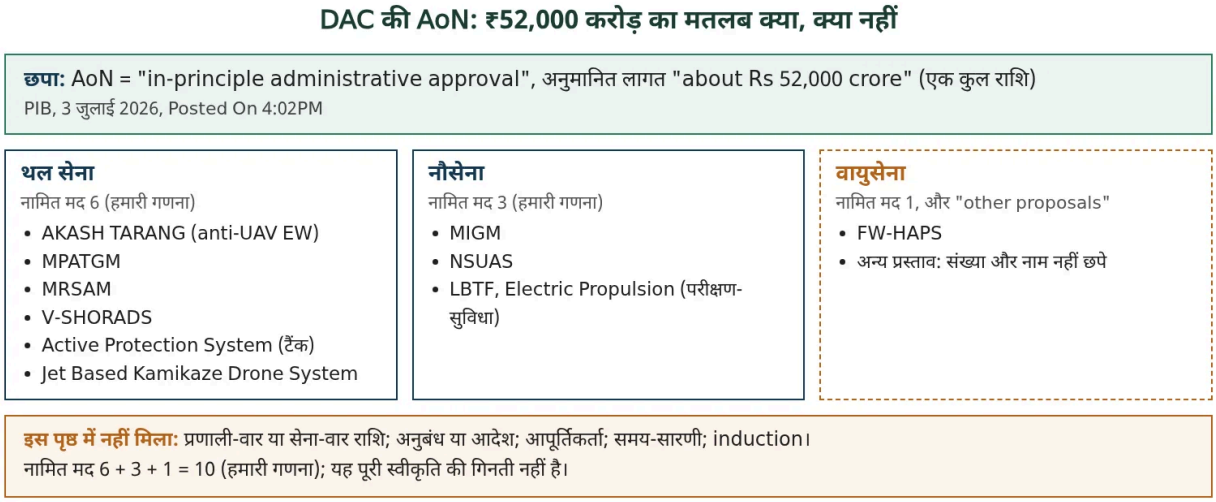
छपी भाषा की एक बात	**विज्ञप्ति के सेना-वाले पहले वाक्य में एक शब्द-गड़बड़ी छपी है। हमने उस वाक्यांश को उद्धृत नहीं किया और अर्थ सेना के लिए स्वीकृति के रूप में पढ़ा है।**

सीमा	**आधार एक PIB विज्ञप्ति है। DAC की बैठक का कार्यवृत्त, प्रक्रिया-नियमावली (DAP) का पाठ, आपूर्तिकर्ता, स्वदेशीकरण की स्थिति, समय-सारणी और कोई भी अनुबंध नहीं पढ़ा गया। “नहीं मिला” का अर्थ “नहीं है” नहीं है।**

सारणी: विज्ञप्ति में नामित मद

सेना	मद (जैसा छपा)	विज्ञप्ति का क्षमता-कथन (मंत्रालय का)
थल सेना	Anti-Unmanned Aerial Vehicles (UAV) Electronic Warfare System ‘AKASH TARANG’	Army Formations को “effective anti-UAV protection” देगा
थल सेना	Man Portable Anti-Tank Guided Missile (MPATGM) Systems	Infantry की “mechanised threats” का सामना करने की क्षमता बढ़ाएगा
थल सेना	Medium Range Surface-to-Air Missile (MRSAM) Weapon System	“medium range air defence against a variety of stand-off aerial threats”
थल सेना	Very Short Range Air Defence System (V-SHORADS)	“multi-spectral sensing” के साथ “counter-measure resilience and effectiveness” बढ़ाएगा
थल सेना	Active Protection System for Tanks	टैंकों का “defence mechanism” और “survivability” सुधारने में सक्षम
थल सेना	Jet Based Kamikaze Drone System	“Electronic Warfare capability with greater lethality and survivability while also being cost effective”
नौसेना	Multi Influence Ground Mine (MIGM)	“deny freedom of manoeuvre to the adversary”
नौसेना	Naval Shipborne Unmanned Aerial System (NSUAS)	“advanced sensors” से “situational awareness” बढ़ाएगा
नौसेना	Land Based Testing Facility (LBTF) for Electric Propulsion System (विज्ञप्ति में “setting-up”)	Motors और Propulsion Systems की “testing requirements” पूरी करेगा
वायुसेना	Fixed-Wing Based High Altitude Pseudo Satellite (FW-HAPS) “and other proposals”	FW-HAPS: “persistent Intelligence, Surveillance & Reconnaissance, telecommunication and remote sensing”; अन्य प्रस्तावों के नाम या संख्या नहीं छपे

नाम और क्षमता-कथन PIB के पाठ से, अंग्रेज़ी में जैसे छपे (हिंदी में सार और उद्धरण)। वायुसेना की पंक्ति में “other proposals” छपा है, उनका विवरण नहीं।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

विश्लेषण: मंज़ूरी, राशि और मद

पहली बात, मंज़ूरी का स्तर। विज्ञप्ति AoN को “in-principle administrative approval” कहती है। इसलिए “मंज़ूर” शब्द को “खरीदा गया” या “सेना में शामिल” पढ़ना पृष्ठ से आगे जाना है। अनुबंध या आदेश का कोई कथन पृष्ठ में नहीं मिला।

दूसरी बात, राशि। ₹52,000 करोड़ एक कुल अनुमान है (“estimated”, “about”), जो सभी प्रस्तावों पर एक साथ छपा है। इसे दस नामित मदों में बराबर बाँटना, या किसी एक प्रणाली की कीमत मानना, पृष्ठ से नहीं निकलता; वायुसेना के अनाम “other proposals” भी इसी राशि में हैं या नहीं, यह भी वाक्य से स्पष्ट रूप से नहीं पढ़ा जाता, इसलिए हमने इस पर कुछ नहीं कहा।

तीसरी बात, मदों की बनावट। सेना की छह मदों में वायु-रक्षा और ड्रोन-विरोधी (AKASH TARANG, MRSAM, V-SHORADS), टैंक-रोधी (MPATGM), टैंक-सुरक्षा (Active Protection System) और एक Jet Based Kamikaze Drone System शामिल हैं। नौसेना की तीन मदों में से एक (LBTF) प्रणाली की खरीद नहीं, परीक्षण-सुविधा की स्थापना है (“setting-up”)। यह वर्गीकरण हमारी पठन-रीति है, नाम और वर्णन विज्ञप्ति के हैं।

चौथी बात, क्षमता के कथन। हर मद के आगे “will” वाले वाक्य मंत्रालय की अपेक्षा हैं। इनसे यह नहीं निकलता कि क्षमता पहले से है या कब आएगी। स्वदेशी या विदेशी स्रोत, और समय-सारणी, विज्ञप्ति में नहीं हैं।

आगे की राह: अनुत्तरित प्रश्न

- इन मदों का अनुबंध किस चरण पर और कब होगा? विज्ञप्ति नहीं बताती।
- ₹52,000 करोड़ का सेना-वार या मद-वार विभाजन क्या है, और वायुसेना के “other proposals” कौन से हैं? पृष्ठ पर नहीं छपा।

परीक्षा-उपयोगी बिंदु

प्रारंभिक: DAC की अध्यक्षता रक्षा मंत्री करते हैं (PIB के अनुसार, 3 जुलाई 2026); AoN = in-principle administrative approval (विज्ञप्ति की परिभाषा); मदें: AKASH TARANG, MPATGM, MRSAM, V-SHORADS, Active Protection System for Tanks, Jet Based Kamikaze Drone System (सेना); MIGM, NSUAS, LBTF (नौसेना); FW-HAPS (वायुसेना)। **मुख्य परीक्षा:** मंज़ूरी बनाम अनुबंध बनाम induction; अनुमानित कुल राशि बनाम मद-वार लागत; क्षमता-कथन बनाम परीक्षित परिणाम; नामित मदों की सूची और अनाम "other proposals" का अंतर।

UPSC CSE Mains अभ्यास प्रश्न

रक्षा अधिग्रहण परिषद की "Acceptance of Necessity" का अर्थ और सीमाएँ समझाइए। जुलाई 2026 की मंज़ूरी के संदर्भ में बताइए कि ऐसी घोषणा से क्या पढ़ा जा सकता है और क्या नहीं। (10 अंक, शब्द-सीमा 150)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: DAC, 3 जुलाई 2026, लगभग ₹52,000 करोड़ अनुमानित

मुख्य भाग में: AoN = विज्ञप्ति के अनुसार in-principle administrative approval; नामित मद (सेना 6, नौसेना 3, वायुसेना FW-HAPS और अन्य, हमारी गणना); जो छपा नहीं: विभाजन, आपूर्तिकर्ता, समय, अनुबंध; क्षमता-कथन मंत्रालय की अपेक्षा

निष्कर्ष में: मंज़ूरी शुरुआत है, परिणाम का प्रमाण नहीं

स्रोत

- PIB: DAC approves capital acquisition proposals worth Rs 52,000 crore to enhance combat readiness of Defence Forces (3 जुलाई 2026)

स्रोत-सीमा: आधार एक PIB विज्ञप्ति है। DAC का कार्यवृत्त, प्रक्रिया-नियमावली, अनुबंध, आपूर्तिकर्ता, स्वदेशीकरण की स्थिति और समय-सारणी नहीं पढ़े गए। इनके अभाव से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया। AoN की परिभाषा विज्ञप्ति की अपनी है।

याद रखें: PIB 3 जुलाई 2026; AoN = सैद्धांतिक प्रशासनिक मंज़ूरी; लगभग ₹52,000 करोड़ अनुमानित; नामित मद 10 (हमारी गणना), पूरी गिनती नहीं।